उमंगो से सपने सजाते रहो!!!
मौजो का जीवन बिताते चलो!!!
आया है संगम का हसीन मौसम!!!
बिगड़ी जिन्दगी को संवारते चलो!!"

हर पल हर संकल्प हर स्वांस !!!
का खाता सफल कर बढाते चलो!!!
मुस्कराते चलो खिलखिलाते चलो!!!
नयी दुनिया में जाने के गीत गाते चलो!!!

खजाने मिले है गुण शक्तियों के!!!
लुटाते चलो और प्रेम बरसात !!!
कर शांति सुख को बहाते चलो!!!
सबके दिलों में समाते चलो!!!

ई श्वारिय संस्कारों की रास मिलाते चलो!!!
प्रभु के गुणगान गाते चलो!!!
विजय का डंका बजाते चलो!!!
हाय हाय नही; हो हो करते चलो!!!

मुश्किलो को मनोरंजन बनाते चलो!!!
खेल खेल में अपना भाग्य बनाते चलो!!!
आपदाओ को अंगद बन मिटाते चलो!!!
महा विनाश से स्वर्ग का गेट खोलते चलो!!!

निमित निर्मान सुखदाता बन!!!
प्रभु पसंद बन प्यार से जीत पाते चलो!!!
अल्प कल की प्राप्ति के सुख को भूल!!!
सदाकाल का पक्का फल प्राप्त करते चलो!!!

एक विश्व एक परिवार एक मत!!!
एक बल एक भोरासा की मशाल!!!
जलाते चलो; निर्विघ्न विजयी!!!
बन बढते चलो बढाते चलो!!!

उड़ते रहो और उड़ाते रहो!!!
सपने नए सजाते चलो!!!
उमंगो से संगम की मौजो!!!
को लुटाते चलो लुटाते चलो!!!

सबका भला हो; नया विश्व!!!
का निर्माण करते चलो !!!
दीपक हर घर में जलाते चलो!!
मौजो से उड़ते रहो उड़ाते रहो!!!

ॐ शांति